मध्यप्रदेश के श्रमिकों का प्रेरणा केन्द्र तथा उनके संगठन की सुदृढ़ता का प्रतीक श्रम-शिविर।

प्रधान मंत्री श्री नेहरू, एक विचारपूर्ण, किन्तु प्रसन्न मुद्रा में श्रम मंत्री श्री द्रविड़, अध्यक्ष श्री रामसिंह भाई तथा इंटक के अन्य कार्यकर्ताओं के विचार सुनते हुए।

घोर कार्य-व्यस्तता के बीच विश्राम के कुछ क्षण : ५५५ का एक दृश्य। रात्रि-भोज के बाद श्रम-शिविर की छत पर प्रधान मंत्री श्री नेहरू।

नंदानगर इन्दौर मिल मजदूर संघ के सक्रिय सहयोग तथा भारत सरकार द्वारा दी गई आर्थिक सहायता से इन्दौर के औद्योगिक क्षेत्र के निकट ही, १३०.६६ एकड़ भूमि में, ५६.६२ लाख की लागत से निर्मित औद्योगिक श्रमिक बस्ती नंदानगर जिसमें १६४० श्रमिक परिवार स्वच्छ, सुन्दर और स्वास्थ्यप्रद वातावरण में रहते हैं।

प्रत्येक मकान में एक व्हरंडा, एक कमरा एवं रसोईघर, लेट्रिन, बाथरूम, किचन गार्डन, पानी व बिजली की सुविधा सहित। प्रत्येक घर का भाड़ा ८॥) रु. है।

नंदानगर का नेहरू बालोद्यान: जहां खेल-कूद के आधुनिक उपकरणों के साथ ही, एक खुला रंगमंच, तथा बच्चों के लिये स्वीमिंग पूल की भी सुविधा है। न केवल इन्दौर नगर वरन सारे मध्यप्रदेश में यह बालोद्यान अपनी तरह का एक ही है।

नवानगर स्थित नेहरू बालोद्यान में बच्चों के स्वीमिंग-पूल का एक दृश्य, जिसके साथ चार शावर-बाथ तथा पानी के साथ फिसलन पट्टी की व्यवस्था है।

नेहरू नगर: इन्दौर मिल मजदूर संघ के सक्रिय सहयोग से, गंदी बस्ती उन्मूलन योजना के अंतर्गत बसाये जा रहे नेहरू नगर का एक विहंगम दृश्य। इस बस्ती में प्रारंभ में करीब एक हजार आवास-गृहों के लिये प्लाटों की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक प्लाट पर लैट्रिन बाथरूम बना दिये गये हैं तथा सड़कें, गटर, प्रकाश आदि की पूर्ण व्यवस्था कर दी गई है। ये प्लाट्स गंदी बस्तियों के श्रमिकों को दिये जायेंगे, जहां वे अपनी स्थिति के अनुसार अपना मकान बना सकेंगे।

राष्ट्रनायक पं. जवाहरलाल नेहरू की वर्ष-ग्रन्थि पर

मज़दूर सन्देश

की ओर से
सप्रेम....

जवाहर चित्रावली

मूल्य दो रुपये

मुख पृष्ठ : परिचय

भारतीयों को यह चित्र अब तक अनदेखा, अद्भुत और अनन्य लगे तो हमें आश्चर्य नहीं होगा । इस चित्र की एक कहानी है और वह इस प्रकार है :

प्रधान मन्त्री श्री नेहरू जब अमरीका गये, तब आप जिनेवा से गुजरे थे । उस समय जिनेवा के एक प्रसिद्ध फोटोग्राफर ने अपने जादुई कैमरे से राष्ट्रनायक की इस भावपूर्ण छवि को कैद कर लिया, । नेहरूजी का चित्र उतार लिया उसने । जब राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के उपाध्यक्ष श्री रामसिंह भाई जिनेवा, अन्तर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन में भाग लेने गये थे; और उन्होंने भारतीय प्रतिनिधि के रूप में सदस्यों को सम्बोधित किया था, तब उसी फोटोग्राफर को फोटो लेने के लिए नियुक्त किया गया था । उक्त फोटोग्राफर ने श्री रामसिंहभाई के फोटो के साथ ही साथ प्रधान मन्त्री श्री नेहरू का वह चित्र जिसे वह उन्हें स्वयम् भेंट नहीं कर पाया था, क्योंकि श्री नेहरू उसी दिन वहां से रवाना हो गये थे, भेंट किया था, इस विश्वास के साथ कि वे उसकी ओर से चित्र को प्रधान मन्त्री को भेंट कर देंगे । श्री रामसिंहभाई ने उससे उस समय चित्र भेंट करने का आश्वासन दिया । लेकिन यहां आने पर मित्रों ने सलाह दी कि, प्रधान मन्त्री श्री नेहरू यह फोटो अंग्रेजी वेशभूषा में होने के कारण इसे पसन्द नहीं करेंगे ।

११ अगस्त १९५८ को जब श्री रामसिंह भाई ने राष्ट्र-नायक को दोनों चित्र उनके हस्ताक्षर के लिए दिये, तब पहले तो वे अपने चित्र को पहचान ही नहीं पाए । बाद में उन्हें आश्चर्य हुआ कि कब और कहां से चित्र लिया गया; पूछा । तब आपने एक चित्र रखना चाहा और एक चित्र स्वयं श्री रामसिंहभाई को भेंट कर दिया । वही चित्र मजदूर संदेश के पाठकों की सेवा में प्रस्तुत किया गया है ।

—सम्पादक

श्रम शिविर: पांच लाख की लागत से बने इस भव्य भवन के निर्माण हेतु इन्दौर के श्रमिकों ने न केवल सम्पूर्ण धन-राशि दी बल्कि श्रमदान भी किया है। इस भवन में इन्दौर मिल मजदूर संघ, मध्यप्रदेश राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) तथा उससे सम्बद्ध संस्थाओं के मुख्य कार्यालय, इन्दौर मिल मजदूर संघ के मुखपत्र "मजदूर-संदेश" (साप्ताहिक) का कार्यालय तथा एक लाख की लागत का मजदूर प्रेस स्थित है

१ सितम्बर १९५१ को श्री नेहरू जब पहली बार श्रम-शिविर में पधारे, केन्द्रीय श्रम तथा योजना मंत्री श्री गुलजारीलालजी नंदा एवं श्री रामसिंह भाई से चर्चा करते हुए।

श्रम-शिविर में प्रधान मंत्री श्री जवाहरलालजी नेहरू तथा केन्द्रीय श्रम एवं योजना मंत्री श्री गुलजारीलालजी नंदा का आगमन। श्री रामसिंह भाई तथा श्री डो. डी. डेविड द्वारा स्वागत।

इन्दौर मिल मजदूर संघ के निमंत्रण पर, ३ नवम्बर १९५८ को प्रधान मंत्री श्री नेहरू इन्दौर पधारे। हवाई अड्डे पर इन्दौर मिल मजदूर संघ के अध्यक्ष श्री रामसिंह भाई प्रधान मंत्री श्री नेहरू का पुष्प-मालाओं से स्वागत करते हुए।

श्री रामसिंह भाई प्रधान मंत्री श्री नेहरू को श्रम-शिविर का निरीक्षण कराते हुए; साथ में श्रम तथा योजना मंत्री श्री गुलजारीलालजी नंदा।

श्री नेहरू, श्रम-शिविर के मंच पर मजदूर सन्देश के जवाहर अंक' पर एक नजर देखते हुए।

श्रम-शिविर में इन्दौर मिल मजदूर संघ के प्रतिनिधियों तथा श्रमिक कार्यकर्ताओं को उद्बोधन करते हुए प्रधान मंत्री श्री नेहरू ।

३ नवम्बर १९५८ को रात्रि को श्रम-शिविर में आयोजित भोज के लिये पधारते हुए श्री नेहरू। इन्दौर मिल मजदूर संघ (इंटक) के अध्यक्ष श्री रामसिंह भाई तथा मध्यप्रदेश के श्रम मंत्री श्री व्ही. व्ही. द्रविड ने आपका स्वागत किया।